तथा समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पल्प इन्डस्ट्रीज लिमिटेड, बम्बई ने किस तारीख को लाइसैंस के लिए आवेदन किया था और इसमें काम कब से आरम्भ किया गया;

(ख) इस संस्था की काम आरम्भ करने की क्या शर्तें थी; तथा इसमें किन वस्तुओं का उत्पादन किया जा रहा है; और

(ग) इस संस्था में, आरम्भ से लेकर अब तक कितता उत्पादन हुआ है ?

औद्योगिक विकास, आंतरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरूद्दीन अली अहमद) : (क) मैसर्स पल्प इण्डस्ट्रीज लिमिटेड, बम्बई ने कागज/लुगदी बनाने के लिए लाइसैंस हेतु आवेदन नहीं दिया था। अतः लाइसैंस मंजूर किये जाने का प्रश्न नहीं उठता।

(ख) और (ग). प्रश्न ही नहीं उठते।

मैसर्स उड़ीसा सीमेंट कम्पनी लिमिटेड

1755. **श्री शारदानन्द :**
श्री वंश नारायण सिंह :

क्या औद्योगिक विकास, आंतरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उड़ीसा सीमैंट कम्पनी लिमिटेड ने किस तारीख को लाइसैंस के लिये आवेदन किया था और इसमें काम कब से आरम्भ किया गया ;

(ख) इस संस्था की काम आरम्भ करने की क्या शर्तें थी और इस में किन वस्तुओं का उत्पादन किया जा रहा है ; और

(ग) इस संस्था में आरम्भ से लेकर जब तक कितना उत्पादन हुआ है ?

औद्योगिक विकास, आंतरिक व्यापार तथा समवाय कार्य-मंत्री (श्री फखरूद्दीन अली अहमद) : (क) और (ख). यह कंपनी, 1949 में पंजीबद्ध हुई थी नवम्बर, 1951 से इसमेंउत्पादन शुरु हुआ था।

उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951-8-1952 से लागू किया गया। जिस समय यह कपनी स्थापित की गई और उसमें उत्पादन शुरु हुआ उस समय कोई भी लाइसेंस लेने की आवश्यकता नहीं थी।चूंकि सीमेंट उद्योग अब उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 के लाइसेंस प्राप्त करने संबंधी उपबन्धों से मुक्त कर दिया गया है, अतः किसी भी शर्त का प्रश्न नहीं उठता।

(ग) इस कंपनी द्वारा प्रारम्भ से लेकर 1968 के अन्त तक कुल मिलाकर 52.09लाख मीट्रिक टन सीमैंट तैयार किया गया।सीमेंट के अतिरिक्त अन्य किसी वस्तु, यदि कोई हो, के निर्माण के सम्बन्ध में जानकारी इकट्ठी की जा रही है और सभापटल पर रख दी जायगी।

इण्डियन आयरन कम्पनी लिमिटेड

1756. **श्री शारदानन्द :**
श्री वंश नारायण सिंह :

क्या इस्पात तथा भारी इंजीनियरिंग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दि इण्डियन आयरन कम्पनी लिमिटेड ने किस तारीख को लाइसेंस के लिये आवेदन किया था और इसमें काम कब से आरम्भ किया गया ;

(ख) इस संस्था की काम आरम्भ करने की क्या शर्तें थीं और इसमें किन वस्तुओं का उत्पादन किया जा रहा है ; और

(ग) इस संस्था में आरम्भ से लेकर अब तक कितना उत्पादन हुआ है ?

इस्पात तथा भारी इंजीनियरिंग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कृष्ण चन्द्र) : (क) अप्रैल, 1953 में इंडियन आयरन एण्ड स्टील कम्पनी ने उद्योग-विकास और विनियमन अधिनियम, 1951 के अधीन, विस्तार के लिए लाइसेंस मांगा था । अपने वर्तमान नाम से यह कम्पनी 1922 में खोली गई थी ।

(ख) और (ग). इंडियन आयरन एण्ड स्टील कम्पनी की वर्तमान अधिष्ठापित क्षमता 1 मिलियन टन है जो 0.3 मिलियन टन पिण्डक और बढ़ाई जायेगी जिसके लिए 1966 में औद्योगिक लाइसेंस दिया गया था । अर्द्ध-तैयार और तैयार इस्पात के रूप में इंडियन आयरन एण्ड स्टील कम्पनी इन-इन वस्तुओं का उत्पादन कर रही है और करेगी ब्लूम, बिलेट, बार मिल प्रोडक्ट, रेल की पटरी । भारी और मध्यम, संरचनात्मक और चादरें । इंडियन आयरन एण्ड स्टील कम्पनी द्वारा आरम्भ से लेकर अब तक किए गये उत्पादन की मात्रा तत्काल उपलब्ध नहीं है ।

गुड इयर इंडिया (प्राइवेट) लिमिटेड, कलकत्ता

1757 **श्री शारदा नन्द :**
श्री वंश नारायण सिंह :

क्या औद्योगिक विकास, आंतरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गुड इयर इंडिया प्राईवेट लिमिटेड, कलकत्ता ने लाइसेंस प्राप्त करने के लिए किस तारीख को आवेदन-पत्र दिया तथा इस ने कब से कार्य आरम्भ किया ;

(ख) उक्त कारखाने के स्थापित करने की शर्तें क्या हैं तथा उसमें किस प्रकार के सामान का उत्पादन हो रहा है ; और

(ग) इसकी स्थापना से लेकर अब तक इसमें कुल कितना उत्पादन हुआ है ?

औद्योगिक विकास, आंतरिक व्यापारिक तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) से (ग). सूचना इकट्ठी की जा रही है सभा-पटल पर रख दी जायेगी ।

Doubling of Railway Lines in Southern Railway

1759. SHRI MANGALATHUMADAM : Will the Minister of RAILWAYS pleased to state :

(a) the number of new doubling programme in the Southern Railway in the current financial year ;

(b) whether the Jalarpet-Erode doubling has been completed ; and

(c) the additional amount spent over and above the estimates of the doublinr project for Jalarpet-Erode section ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (DR. RAM SUBHAG SINGH) : (a) No new doubling was programmed in 1969-69.

(b) With the exception of single line between Tirupattur and Morappur (47 KM), the doubling of the remaining length on Jalarpet-Erode section has been completed and opened to traffic. The doubling of 15 KM between Morappur and Dasampatti has been included in 1969-70 Budget.

(c) No additional amount was spent over and above the sanctioned estimate.

Visit by West German Delegation to Rourkela Steel Plant

1760. SHRI K. LAKKAPPA :
SHRI SAMAR GUHA :
SHRI SURENDRANATH DWIVEDY :
SHRI MANIBHAI J. PATEL :
SHRI D. N. PATODIA :